अंक योजना

अभ्यास प्रश्न पत्र-2

कक्षा-10 विषय- सामाजिक विज्ञान अधिकतम अंक-80

खंड – क

1. (c) सिर्फ 1, 3 व 4 सही हैं |
2. जेर्मेनिया का चित्र जिसमे उसे राइन नदी पर पहरा देते हुए दिखाया गया है | (1860 में चित्रकार लारेन्ज़ क्लासेन के द्वारा बनाया गया)

केवल दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए

आज़ादी मिलने का

3. प्राथमिक
4. सत्य
5. (A) संकल्पना (स) एवं कारण (क) दोनों सही हैं एवं कारण संकल्पना की सही व्याख्या है |
6. बहुजन समाज पार्टी – हाथी
7. काली मृदा
8. सरकार द्वारा अवरोधों अथवा प्रतिबंधों को हटाने की प्रक्रिया को उदारीकरण कहते हैं |

अथवा

विश्व व्यापार संगठन का ध्येय अन्तराष्ट्रीय व्यापार को उदार बनाना है | यह व्यापार से संबंधित नियमों को निर्धारित करता है और यह देखता है कि इन नियमों का पालन हो |

9. इसलिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके की बैंक केवल लाभ अर्जित करने वाले व्यावसायियों और व्यापारियों को ही ऋण नहीं दे रहे बल्कि छोटे किसानों, छोटे उधोगों, और छोटे कर्ज़दारों इत्यादि को भी ऋण दे रहे हैं |

अथवा

क्योंकि, गरीब व्यक्ति बैंक के समक्ष समर्थक ऋणाधार (जैसे की भूमि, मकान, गाड़ी आदि) नहीं दे पाते हैं इसलिए बैंक उन्हें ऋण नहीं देते हैं |

https://www.evidyarthi.in

10. 1960 एवं 1970 के दशकों में कृषि सुधारों (जैसे HYV बीजों, सिंचाई तथा उर्वरकों के प्रयोग आदि) के कारण कृषि उत्पादन विशेषकर गेहूँ एवं चावल में हुई वृद्धि को हरित क्रांति कहा जाता है |

अथवा

दुग्ध उत्पादन में हुई वृद्धि को श्वेत क्रांति कहा जाता है |

11.असंगठित क्षेत्र

12. लोकतांत्रिक देश

13. केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों- दोनों को

14. विधायिका के लिए किसी दल-विशेष से निर्वाचित होने वाले प्रतिनिधि का उस दल को छोड़कर किसी अन्य दल में चले जाना दल बदल कहलाता है |

15. नहीं | क्योंकि वैसी स्थिति में सिंहली भाषा की अनदेखी होती और जातीय तनाव की संभावना बनी रहती |

16. पश्चिम बंगाल क्योंकि भारत का अधिकांश पटसन उद्योग पश्चिम बंगाल में ही संकेंद्रित है |

<u>खंड- ख</u>

17. महात्मा गाँधी ने देश को एकजुट करने के लिए 'नमक' को एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप मे प्रयोग किया क्योकि –

(i) नमक का अमीर – गरीब सभी इस्तेमाल करते थे |

(ii) नमक भोजन का एक अभिन्न हिस्सा था इसलिए नमक पर कर और उसके उत्पादन पर सरकारी इज़ारेदारी को महात्मा गाँधी ने ब्रिटिश शासन का सबसे दमनकारी पहलू बताया था |

(iii) वायसराय इरविन को लिखे गए ख़त में गाँधी जी ने नमक कर को ख़त्म करने की मांग की थी |

(iv) माँगें नहीं माने जाने पर गाँधी जी ने दांडी मार्च शुरू किया और समुद्र का पानी उबालकर नमक कानून का उल्लंघन किया|

(कोई और महत्वपूर्ण बिंदु)

https://www.evidyarthi.in

अथवा

असहयोग आन्दोलन कुछ समय बाद शहरों में मंद पड़ने लगा क्योंकि –

(i) खादी का कपड़ा मिल के कपड़ों की अपेक्षा प्राय: महंगा होता था क्योकि मिलों में भारी पैमाने पर उत्पादन होता था |

(ii) खादी के कपड़ों के महँगे होने के कारण गरीब नहीं खरीद सकते थे | इसलिए वे मिलों के कपड़े का लम्बे समय तक बहिष्कार नहीं कर पाए |

(iii) ब्रिटिश संस्थानों के बहिष्कार से भी समस्याएं पैदा हुई | आन्दोलन की सफलता के लिए वैकल्पिक भारतीय संस्थानों की स्थापना जरुरी थी ताकि ब्रिटिश संस्थानों के स्थान पर उनका प्रयोग किया जा सके |

(iv) वैकल्पिक भारतीय संस्थानों की स्थापना की प्रक्रिया बहुत धीमी थी जिसके कारण विद्यार्थी और शिक्षक सरकारी विद्यालयों में लौटने लगे और वकील दोबारा सरकारी अदालतों में जाने लगे |

(कोई और महत्वपूर्ण बिंदु)

18. (i) कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ के हड्डी रही है परन्तु सकल घरेलु उत्पाद में इसका योगदान (वर्तमान में लगभग 15 %) लगातार घटता जा रह है |

(ii)हरित क्रांति का लाभ कम ही किसानों को मिल पाया है | जो बड़े किसान हरित क्रांति से लाभान्वित हुए हुए हैं वे समृद्ध भी हैं |

(iii) जोतों के घटते आकार के कारण भी कृषि उतनी लाभकारी नहीं रही है |

(iv) आज भी नगदी फसलों के अपेक्षा ज्यादातर किसान खाद्दान्न फसलों को उगाते हैं जिससे उन्हें अपेक्षित आय नहीं हो पा रही है |

(कोई और महत्वपूर्ण बिंदु)

अथवा

भारत में तीन शस्य ऋतुएँ हैं- रबी, खरीफ और ज़ायद |

(i) रबी फसलों को शीत ऋतु में अक्टूबर से दिसम्बर के बीच बोया जाता है और ग्रीष्म ऋतु में अप्रैल से जून में मध्य काटा जाता है | जैसे- गेहूँ, जौ, मटर, चना सरसों इत्यादि |

(ii) खरीफ फसलों को मानसून के आगमन के साथ बोया जाता है और सितम्बर-अक्टूबर में काट लिया जाता है | जैसे – चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा कपास, जूट इत्यादि |

https://www.evidyarthi.in

(iii) ज़ायद फसलों को रबी और खरीफ ऋतओं के बीच ग्रीष्म ऋतु में बोया जाता है | जैसे – तरबूज, खरबूज, खीरा इत्यादि |

(कोई और महत्वपूर्ण बिंदु)

19.(i) भारत में संसाधनों की उपलब्धता में बहुत विविधता है |

(ii) कुछ ऐसे देश हैं जहाँ एक तरह के संसाधनों की प्रचुरता है, परन्तु दुसरे तरह के संसाधनों की कमी है |

(iii) कुछ प्रदेश संसाधनों की उपलब्धता के मामले मे आत्मनिर्भर हैं जबकि कुछ प्रदेशों में संसाधनों की कमी है |

(v) उदहारण के लिए – झारखण्ड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि प्रान्तों में खनिजों और कोयले के प्रचुर भंडार हैं | राजस्थान में पवन और सौर उर्जा की बहुतायत है लेकिन जल संसाधनों की कमी है |

(कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)

20. (i) उद्योग कच्चे माल के लिए कृषि पर निर्भर हैं | जैसे- सूती वस्त्र उद्योग, ऊनी वस्त्र उद्योग, पटसन उद्योग, रबर, चीनी , चाय आदि उद्योग कृषि आधारित उद्योग हैं |

(ii) उद्योगों द्वारा निर्मित उत्पाद – जैसे सिंचाई के लिए पंप, उर्वरक, कीटनाशक दवाएँ, प्लास्टिक पाइप, मशीनें, कृषि औज़ार आदि पर किसान निर्भर हैं |

(iii) कृषि पर आधारित उद्योगों ने न केवल कृषि पैदावार बढ़ोतरी को प्रोत्साहित किया है बल्कि उत्पादन प्रक्रिया को भी सक्षम बनाया है |

(कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)

21.(i) 1971-72 में सकल घरेलु उत्पाद में प्राथमिक क्षेत्रक का योगदान सर्वाधिक था जबकि अब तृतीयक क्षेत्रक का योगदान सर्वाधिक है |

(ii) लेकिन, रोज़गार में ऐसा परिवर्तन नहीं हुआ और प्राथमिक क्षेत्रक आज भी सबसे बड़ा नियोक्ता है |

(iii) उसका कारण है कि द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रक में रोज़गार के पर्याप्त अवसरों का सृजन नही हुआ |

(iv) देश में आधे से अधिक प्राथमिक क्षेत्रक मुख्यतः कृषि क्षेत्र, में कर रहे हैं, जिसका सकल घरेलु उत्पाद में वर्तमान में योगदान लगभग 15 % है | इसकी तुलना में द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रक का सकल घरेलु उत्पाद में हिस्सा ¾ है परन्तु ये आधे से कम लोगों

https://www.evidyarthi.in

को रोज़गार प्रदान करते हैं |

(कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)

22.(i) विकास के बारे में सभी लोगों के अलग- अलग विचार होते हैं क्योंकि हर व्यक्ति की आकांक्षा और इच्छा अलग-अलग होती है |

(ii) कई बार दो लोग या दो गुट ऐसी चीज़े चाह सकते हैं, जिनमे परस्पर विरोध हो सकता है | जैसे – एक लड़की अपने भाई के बराबर आज़ादी और अवसर आदि की चाह रखती है परन्तु हो सकता है कि भाई को यह पसंद ना हो |

(iii) इसी तरह ज्यादा बिजली उत्पन्न करने के लिए उद्योगपति ज्यादा बाँध चाहते हैं परन्तु बड़े बाँधों से कई लोगों की ज़मीन जलमग्न हो सकती है |

(iv) स्पष्ट है कि अलग-अलग लोगों के विकास के लक्ष्य भिन्न हो सकते हैं और एक के लिए जो विकास है वह दुसरे के लिए विकास न हो | यहाँ तक कि वह दुसरे के लिए विनाशकारी भी हो सकता है |

(कोई और महत्वपूर्ण बिंदु)

खंड-ग

23.(a) i . राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए)

(b) जब अनेक पार्टियाँ मिलकर सरकार बनाएं तो इसे गठबंधन सरकार कहते हैं |

(c) नहीं

(d) जब किसी देश में अनेक दलों का सत्ता में आने के ठीक-ठाक अवसर हों तो इसे बहुदलीय व्यवस्था कहते हैं जैसे – भारत | अनेक दल मिल गठबंधन सरकार का निर्माण करते हैं | भारत के दो प्रमुख गठबंधन – रा.ज.ग तथा यू पी ए हैं |

24. (a) हाँ, क्योंकि कंपनी का विस्तार 26 देशों में है |

(b) जब कोई विदेशी कंपनी किसी देश में फैक्ट्री, शेयर आदि में धन लगाए तो इसे विदेशी कहते हैं |

(c) 1995

https://www.evidyarthi.in

25. (a) जर्मन लोगों को आर्थिक रूप से एक राष्ट्र में बाँध देना |

(b) [i] अर्थशास्त्र के प्रोफेसर

(c) मुक्त आर्थिक व्यवस्था आन्तरिक उत्पादकता को बढाता है साथ ही राष्ट्रीय भावनाओं को बढाता है |

(d) अर्थव्यवस्था के मजबूत होने से राष्ट्र के बाह्य एवं आन्तरिक हितों की रक्षा होती है और राष्ट्रीय भावनाएँ उत्पन्न होती हैं |

26. (a) [iii] तीन स्तर पर

(b) कि राजनीतिक सत्ता का बँटवारा नहीं हो सकता |

(c) नहीं, लोकतंत्र में भी फैसले लिए जा सकते हैं और उन्हें लागू भी किया जा सकता है |

(d) सत्ता की साझेदारी सत्ता के वितरण पर बल देता है जो की लोकतंत्र की भावना के अनुरूप है | चूंकि, जनता ही ससारी रजनीतिक शक्ति की स्त्रोत है इसलिए उन्हें सत्ता में ज़्यादा से ज़्यादा हिस्सेदारी बनाया जाना चाहिए |

खंड-घ

27. (i) ब्रिटेन में राष्ट्र- राज्य का निर्माण अचानक हुई कोई उथल-पुथल या क्रांति का परिणाम नहीं था बल्कि एक लम्बी चलने वाली प्रक्रिया का नतीजा था |

(ii) 18वीं सदी के पहले ब्रिटेन एक राष्ट्र नही था अपितु अलग-अलग द्वीपसमूह में रहने वाले लोगों –अंग्रेज़, वेल्श, स्कॉट या आयरिश – की अपनी नृजातीय पहचान थी |

(iii) धीरे-धीरे आंगल राष्ट्र की धन-दौलत, अहमियत और सत्ता में वृद्धि हुई और वह

https://www.evidyarthi.in

द्वीपसमूह के अन्य राष्ट्रों पर अपना प्रभुत्व बढ़ाने में सफल हुआ |

(iv)1688 में संसद ने राजतन्त्र से ताकत छीन ली | इसके बाद संसद के माध्यम से एक राष्ट्र-राज्य का निर्माण हुआ जिसके केंद्र में इंग्लैंड था |

(v)1707 में इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के बीच एक्ट ऑफ़ यूनियन से ' यूनाइटेड किंगडम ऑफ़ ग्रेट ब्रिटेन' का गठन हुआ |

(vi) 1801 में आयरलैंड को बलपूर्वक यूनाइटेड किंगडम में शामिल कर लिया गया |

(कोई और महत्वपूर्ण बिंदु)

अथवा

<u>वियना संधि</u>- 1815 में, ब्रिटेन, रूस, प्रशा, और ऑस्ट्रिया जैसी यूरोपीय देशों ने- जिन्होंने मिलकर नेपोलियन को हराया थ- वियना संधि पर हस्ताक्षर किए जिसका उद्देश्य उन कई सारे बदलावों को खत्म करना था जो नेपोलियाई युद्धों के दौरान हुए थे |

<u>वियना संधि की विशेषताएँ-</u>

(i) फ़्रांसीसी क्रांति के दौरान हटाए गए बुर्बों वंश को सत्ता में बहल किया गया |
(ii) नेपोलियन काल में अधीन किए गए क्षेत्रों को फ्रांस ने खो दिया |
(iii) फ्रांस की सीमाओं पर कई राज्य कायम कर दिए गए ताकि भविष्य में फ्रांस विस्तार न कर सके | जैसे- उत्तर में नीदरलैंड का राज्य स्थापित किया गया |
(iv) प्रशा को उसकी पश्चिमी सीमाओं पर महत्वपूर्ण नए इलाके दिए गए जबकि ऑस्ट्रिया को उत्तरी इटली का नियंत्रण सौंपा गया |
(v) इन सब परिवर्तनों का मुख्य उद्देश्य उन राजतंत्रों की बहाली था जिन्हें नेपोलियन ने बर्खास्त कर दिया था | साथ ही यूरोप में एक नयी रूढिवादी व्यवस्था कायम करने का लक्ष्य भी था |

(कोई और महत्वपूर्ण बिंदु)

28.(i) ऋण के द्वारा लोग अपनी कार्यशील पूंजी की जरूरत को पूरा कर पाते हैं | इससे व्यक्ति उत्पादन के कार्यशील खर्चों तथा उत्पादन को समय पर पूरा करने में सक्षम

https://www.evidyarthi.in

हो पाता है और वह अपनी कमाई बढ़ा पता है |

(ii) ऋण के द्वारा आर्थिक गतिविधियों का विस्तार होता है | इससे अतिरिक्त रोज़गार का सृजन होता है |

(iii) ऋण के सस्ता होने से कर्ज़दार की बचत बढ़ती है और उनकी आय में भी वृद्धि होती है |

(iv) कई बार ऋण की ऊँची ब्याज दरों के कारण कर्ज़ वापस करने की रकम कर्ज़दार की आय से भी अधिक हो जाती है | इसके कारण ऋण का बोझ बढ़ जाता है और व्यक्ति ऋण जाल में फँस जाता है | इसलिए यह आवशयक की ऋण सस्ता हो |

(v)अगर ऋण महँगा होगा तो संभव है कि लोग अपना उद्यम शुरू न करें |

(कोई और महत्वपूर्ण बिंदु)

अथवा

(i) बैंक लोगों का खाता खोलकर उसमे जमा स्वीकार करते हैं और इस पर सूद भी देते हैं |

(ii) लोगों का धन बैंकों के पास सुरक्षित रहता है |

(iii) लोगों को अपनी आवश्यकता के अनुसार धन निकालने की सुविधा भी उपलब्ध होती है |

(iv) बैंक जमा राशि के एक बड़े भाग को ऋण देने के लिए इस्तेमाल करते हैं | इससे अर्थव्यवस्था में विभिन्न आर्थिक गतिविधियों का संचालन और विस्तार होता है |

(v) आर्थिक गतिविधियों के विस्तार से उत्पादन में वृद्धि होती है और देश का सकल घरेलू उत्पाद बढ़ता है |

(कोई और महत्वपूर्ण बिंदु)

29. (i) 20वीं सदी में राष्ट्रवाद के विकास के साथ भारत की पहचान भी भारत माता की छवि का रूप होने लगी |

https://www.evidyarthi.in

(ii) भारत माता की पहली तस्वीर बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय ने बनाई और बाद में उन्होंने मातृभूमि के स्तुति के रूप में 'वन्दे मातरम् ' गीत लिखा |

(iii) यह गीत बंगाल में स्वदेशी आन्दोलन में खूब गाया गया | स्वदेशी आन्दोलन की प्रेरणा से अबनीन्द्रनाथ टैगोर ने भारत माता की विख्यात छवि को चित्रित किया | इस पेंटिंग में भारत माता को एक सन्यासिनी के रूप में दर्शाया गया है |

(iv) राष्ट्रवाद के विचार भारतीय लोक कथाओं को पुनर्जीवित करने के आन्दोलन से भी मज़बूत हुआ | स्वयं रवीन्द्रनाथ टैगोर ने लोक परम्पराओं को पुनर्जीवित करने वाले आन्दोलन का नेतृत्व किया |

(v) राष्ट्रवाद की भावना को भरने के लिए चिन्हों एवं प्रतीकों का भी प्रयोग हुआ | स्वदेशी आन्दोलन के दौरान एक तिरंगा झंडा (हरा, पीला, लाल) तैयार किया गया | 1921 तक गांधीजी ने भी स्वराज झंडा तैयार कर लिया था |

(vi) इतिहास के पुनार्व्यखाया के द्वारा भी राष्ट्रवाद की भावना पैदा करने की कोशिश की गयी | भारतीय इतिहासकारों ने भारत की महान उपलब्धियों और गौरवशाली इतिहास के बारे में लिखना शुरू किया |

(कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)

30. (i) 1992 में संविधान संशोधन करके वास्तविक विकेंद्रीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया | इसके द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायती राज तथा शहरी क्षत्रों में नगरपालिका/ नगरनिगम की स्थापना की गई|

(ii) स्थानीय सरकारों की यह व्यवस्था दुनिया के लोकतंत्र का अबतक का सबसे बड़ा प्रयोग है |

(iii) नगरपालिकाओं और ग्रामपंचायतों के लिए करीब 36 लाख लोगों का चुनाव होता है | यह संख्या दुनिया के कई देशों की कुल आबादी से ज्यादा है |

(iv)इन संस्थाओं में महिलाओं के लिए 50% प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित किया गया है | इससे लोकतंत्र में उनकी आवाज़ मजबूत हुई है |

(v) अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था से उनकी भागीधारी सुनिश्चित की गयी है |

https://www.evidyarthi.in

(vi) स्पष्ट है कि विकेंद्रीकरण के द्वारा सत्ता में साझेदारी की लोकतांत्रिक भावना को मजबूत करने का प्रयास किया गया है |

(कोई और महत्वपूर्ण बिंदु)

31. (i) हमारी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति जिन वस्तुओं और सेवाओं से होती हैं वे सभी आस-पास उपलब्ध नहीं होती हैं बल्कि इनके लिए परिवहन की आवश्यकता होती है |

(ii) वस्तुएँ एवं सेवाएँ मांग स्थल से आपूर्ति स्थल तक आसानी से पहुँचे , इसके लिए एक सुदृढ़ परिवहन व्यवस्था की जरुरत होती है |

(iii) जो लोग इन वस्तुओं और सेवाओं को उपलब्ध करवाने में लगे होते हैं उनके आने-जाने के लिए भी परिवहन के साधन विकसित होने आवश्यक है |

(iv) सक्षम और तीव्र गति वाले परिवहन से आज संसार एक बड़े गाँव में परिवर्तित हो गया है | परिवहन का यह विकास संचार साधनों के विकास की सहायता से ही संभव हो पाया है |

(v) परिवहन व संचार साधनों के द्वारा भी बड़े पैमाने पर रोजगार उत्पन्न होते हैं, स्थानीय से अन्तराष्ट्रीय व्यापार बढ़ता है जिससे अर्थव्यवस्था को और भी गति मिलती है |

(vi) उपरोक्त कारणों के कारण ही परिवहन को अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएं कहा जाता है|

(कोई और महत्वपूर्ण बिंदु)

खंड- ड़

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in

32.

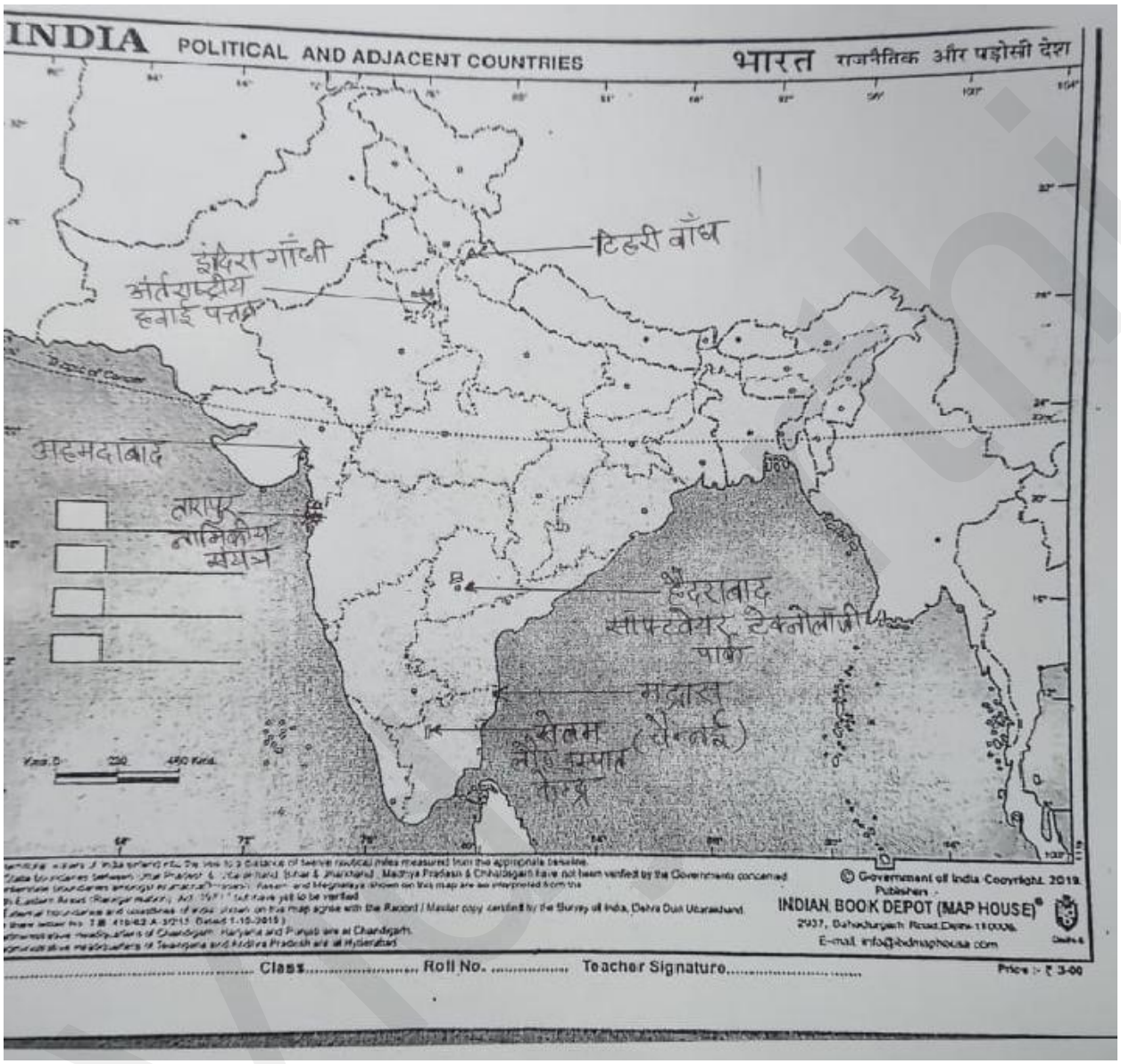

के वल दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए-

(a) अहमदाबाद

(b) चेन्नई(मद्रास)

(c) चौरी चौरा

(d) महाराष्ट्र

(e)उत्तराखंड

(f) तेलंगाना

(g) नई दिल्ली

https://www.evidyarthi.in